जून 2014

कॉर्पोरेट न्यूज़

एचएलएल का न्यूज़लेटर

एचएलएल - फैक्टरी दिवस

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, वर्ष 1966 को एकल कंडोम के साथ निरोध फैक्टरी और आगे हिन्दुस्तान लैटेक्स लिमिटेड के नाम पर पूरे देश की जनता की स्वास्थ्य रक्षा को प्रमुखता देकर प्रारंभित, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन की कंपनी गत 5 अप्रैल 2014 को एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी के प्रांगण में 45 वाँ फैक्टरी दिवस विविध रंगीन कार्यक्रमों के साथ सजधज से मनाया गया। इस समारोह की खूबी थी एचएलएल के प्रथम अध्यक्ष, दिग्गज श्री क्रिपा नरैन की उपस्थिति। वे अपनी पुरानी यादों से एचएलएल की शैशवावस्था और मिनि रत्ना कंपनी की ओर के विकास यात्रा पर हमें साथ ले गये। उन्होंने द्वीप प्रज्ज्वलित करके अपने उद्घाटन भाषण में कहा, साढे चार दशकों के बाद मैं आप के बीच में हूँ, इस पर मैं अतीव प्रसन्न हूँ और मैं स्वयं को आप में से एक का अनुभव करता हूँ। मैं एचएलएल की इस अवस्था से अत्यधिक संतुष्ट भी हूँ। मुझे पूरा यकीन है, आगामी सालों में एचएलएल उन्नति के शिखर तक जरूर पहूँच जायेगा।

डॉ.एम.अय्यप्पन ने कंपनी की झंडा फहराने के बाद अपने भाषण में व्यक्त किया कि यह हमारे सपने, हमारी आकांक्षायें, हमारी प्रतीक्षायें एवं कठिन परिश्रम का पूर्णता का समारोह है। यह दिवस हमें अधिक स्फूर्ति एवं ओजस्व के साथ आगे बढने की शक्ति प्रदान करता है। आज हमारे प्रथम अध्यक्ष अपने साथ है, यह हमारा बडा सौभाग्य ही है। वास्तव में वे ही इस कंपनी के पिता हैं। मुझे लगता है महान दादा अपने बच्चों से मिलने केलिए आये हैं। आगे एचएलएल की उपलब्धियों पर दृष्टि डालते हुए डॉ.एम.अय्यप्पन ने कहा, विश्व के कंडोम के सर्व प्रमुख विनिर्माता के रूप में आज कंपनी बढ गयी है। हम बहुत अधिक पाने में कामयाब बन सकें, कारण है, हमें श्री नरैनजी के मार्गदर्शन के अधीन विनम्र एवं उत्कृष्ट शुरूआत मिला है।

बाद में श्री नरैनजी ने याद किया, वर्ष 1965 को स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन परिवार नियोजन विभाग का संस्थापन करते समय, बढती जनसंख्या को रोकने केलिए गर्भनिरोधक के विनिर्माण की सुविधा संस्थापित करने की जिम्मेदारी अपनी हाथों में सौंप दी थी । मैं ने पूरे भारत का दौरा किया और मुझे मालूम हुआ कि रबड़ से संपन्न केरल राज्य ही ऐसा यूनिट संस्थापित करने का सबसे उत्तम जगह है। मिन्सुई कंपनी ने भारत के परिवार नियोजन कार्यक्रम के साथ लेने का आग्रह प्रकट किया और कंडोम के विनिर्माण केलिए अपनी तकनोलजी शेयर की और इस प्रकार पेरूरकडा फैक्टरी का उदय हुआ। एचएलएल के बारे में उन्होंने कहा, स्वास्थ्य उत्पाद के विनिर्माता से बढकर इंटग्रेटड स्वास्थ्यरक्षा प्रदायक की ओर कंपनी का विकास एकदम संतोषजनक ही है। "जहाँ तक हो सके दूसरों की सेवा कीजिए" - यह संदेश देते हुए उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया। उनकी पत्नी श्रीमती सुशीला नरैन भी उनके साथ थी। इस समारोह की मुख्यातिथि प्रसिद्ध मलयालम कवयित्रि और पर्यावरणवादी श्री बी. सुगतकुमारी ने एचएलएल के "प्रतीक्षा फाउनडेशन",सामाजिक प्रतिबद्धता कार्यों को बढावा देने के उद्देश्य के साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में वित्तीय तौर पर पिछड रहे लोगों को सहायता देने और विद्यार्थियों को वृत्तिक कोर्स पढने केलिए मदद करने के उद्यम, का लॉचिंग भी किया। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहल की सराहना करते हुए, श्रीमती सुगतकुमारी ने आग्रह प्रकट किया कि कंपनी देश भर के पर्यावरण के अनुकूल कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से सहयोग दें। इस अवसर पर श्री आर. पी खण्डेलवाल, निदेशक वित्त, डॉ.के.आर.एस कृष्णन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), डॉ. बाबु तोमस, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन), श्री के.विनय कुमार, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने भाषण दिया।

5 अप्रैल को आयोजित एचएलएल-पेरूरकड़ा फैक्टरी के 45 वाँ स्थापकदिवस समारोह का उद्घाटन करते हैं एचएलएल के प्रथम अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री क्रिपा नरैन।

श्री क्रिपा नरैन का पुराना चित्र। एचएलएल का शिलान्यास समारोह। बायें से बैठे हैं - श्री क्रिपा नरैन, डॉ.सुशील नय्यार,केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री भगवान सहाय, केरल के राज्यपाल और श्री एम.डी.काम्पे (मिटसुई एवं निगम)।

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड और केरल संगीत नाटक अकादमी के बीच आपसी सहयोग

केरल संगीत नाटक अकादमी के स्थायी वेदी के रूप में एचएलएल -सर्गम ऑडिटोरियम। 16 मई को आयोजित उद्घाटन समारोह का दृश्य।

केरल संगीत नाटक अकादमी केरल भर में हर महीने आयोजित कर रहे विविध कार्यक्रमों के तिरुवनंतपुरम का स्थायी स्टेज अब एचएलएल-सर्गम ऑडिटोरियम रहेगा । एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन और संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष श्री सूर्या कृष्णमूर्ति के बीच में हुए चर्चा के फलस्वरूप यह संभव हुआ है । इसके अनुसार हर महीने के तीसरे शनिवार, शाम 6 बजे को सर्गम ऑडिटोरियम में कार्यक्रम चलाएंगे । प्रारंभ में सिनेमा, कथाप्रसंगम और बाद में अन्य कार्यकलाप भी इसमें शामिल करेंगे। एचएलएल परिवार के लोग और आम जनता भी यह देख सकते हैं । इस कार्यक्रम का उद्घाटन 16 मई शुक्रवार, शाम 6.30 बजे, एचएलएल-पेरूरकड़ा सर्गम ऑडिटोरियम में मलयालम फिल्म जगत के विख्यात गायक श्री एम.जी.श्रीकुमार ने किया। कला के विभिन्न आयामों के कलाकारों को प्रोत्साहित करने का यह कार्यक्रम विशेषतः स्वास्थ्य रक्षा के उत्पादों के विनिर्माण में केंद्रित एचएलएल का यह श्रम बहुत विचारणीय ही है । एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन ने समारोह की अध्यक्षता की । केरल संगीत-नाटक अकादमी के अध्यक्ष श्री सूर्या कृष्णमूर्ति मुख्यातिथि थे।

श्रीमती अनिता तंपी, यूनिट प्रधान, एचएलएल-पेरूरकड़ा फैक्टरी और श्री राजशेखरन, क्लब सचिव ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता का कार्य संभाला । बाद में, केरल राज्यस्तरीय सिनेमा मेले में बहुचर्चित सिनेमा 'गेट्टिंग होम' प्रदर्शित किया गया । वास्तविक कथा पर आधारित इस सिनेमा में समकालीन चैना की भूप्रदेश और वहाँ के धार्मिक विश्वास एवं रीति रिवाज़ों का चित्रण है ।

महिला स्वास्थ्य पर सेमिनार

नारी अबला नहीं सबला है । लेकिन अधिकांश स्त्रियाँ इससे न तो अनभिज्ञ है या पुरुष के अधीन रहने से स्वयं को अबला मानने के लिए विवश हो जाती हैं । वास्तव में प्रकृति का अस्तित्व ही स्त्री पर निर्भर है । अतः स्त्री सुरक्षा विशेषतः उनकी स्वास्थ्यरक्षा पर अतीव प्रमुखता देना नितांत आवश्यक ही है । इस सत्य को पहचान कर देश के सर्वप्रमुख स्वास्थ्यरक्षा कंपनी एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड ने स्त्री शाक्तीकरण एवं स्वास्थ्यरक्षा के प्रति महिलाओं को जागरूकता प्रदान करने के लिए 'महिलाओं की दुनिया' नाम पर एक स्वास्थ्य सेमिनार 23 मई, 2014 को एचएलएल-पेरूरकड़ा फैक्टरी के सर्गम ओडिटोरियम में आयोजित किया । इस एक दिवसीय सेमिनार का उद्घाट न केरल के अपर पुलीस महानिदेशक श्रीमती आर.श्रीलेखा आई पी एस ने किया ।

आगे स्तनार्बुद, गर्भाशय कैंसर, गर्भनिरोधन, मासिक चक्र की समस्यायें, मासिकचक्र के शुचित्व की आवश्यकता, स्वास्थ्य पोषण आदि के प्रति महिलओं को अवगत कराने के लिए आयोजित इस सेमिनार का उद्घाटन करते हुए श्रीमती आर.श्रीलेखा ने कहा कि महिलायें अपने स्वास्थ्य और सौन्दर्य की परवाह न करके परिवार के औरों की आवश्यकताओं को अधिक प्रमुखता देने की स्थिति देखी जाती है। स्त्रियों को अपने स्वास्थ्य पर भी अधिक ध्यान देना चाहिए । पुरुषों की बीमारियों के कारण उनकी शराबी एवं धूम्रपान एवं अन्य गलत चेष्टायें हैं । लेकिन स्त्रीयों का मानसिक तनाव ही उनकी बीमारी का कारक बन जाती है । इसलिए स्त्रियों को अपनी मन और तन तनाव से मुक्त रखने की कोशिश करनी चाहिए । जिससे वे हमेशा संपूर्ण आरोग्यवती बन सकती हैं। साथ ही नारी को किसी भी प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति भी अर्जित करनी चाहिए । क्योंकि आज वे हर कोने में भोग का वस्तु मात्र बन जाती हैं।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा, स्त्री शक्ति एवं क्षमता पर हमें पूरा विश्वास है । जिससे कंपनी के कई उच्च पदों का कार्य भी महिलायें ही संभालती हैं । महिलाओं की स्वास्थ्यरक्षा पर अधिक फोकस करते हुए हमने कंपनी में 'स्वास्थ्यरक्षा प्रभाग' खोला है । स्त्रीयों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य उत्पादों के विनिर्माण और विपणन पर अधिक ज़ोर भी देते हैं ।

कोट्टक्कल आर्यवैद्यशाला के साथ मिलकर स्त्रियों के लिए आयुर्वेदिक औषधों का भी विपणन करते हैं । हमारा उद्देश्य है गुणवत्तापूर्व एवं किफायती स्वास्थ्यरक्षा उत्पादें महिलाओं को उपलब्ध कराना। इसके मद्देनज़र हमने 'महिलाओं की दुनिया' यह विशेष सेमिनार आयोजित किया। महिलाओं एवं बच्चों को

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यरक्षा प्रदान करने को लक्ष्यकर प्रारंभित लाइफ़स्प्रिंग अस्पतालों पर भी उन्होंने इस अवसर पर नज़र डाली यूनिवर्सिटी महिला एसोसियेशन की उपाध्यक्षा डॉ.एस.तंकमणि अम्मा ने अपने आशीर्वाद भाषण में स्पष्ट किया कि स्त्री की स्वास्थ्य का संरक्षण करना पुरुष का उत्तरदायित्व है । स्त्री और पुरुष दोनों एक दूसरे के पूरक है, ये एक सिक्के के दो भाग हैं । पुरुष के बिना स्त्री की पूर्णता संभव नहीं । स्त्री हमेशा पुरुष की अच्छी सहेली ही है । उन्होंने महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा के लिए एचएलएल द्वारा की गयी गतिविधियों की खूब सराहना भी की।

सम्मेलन में डॉ. बाबु तोमस, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन) और श्री ए.एम.कादर, प्रबंधक ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता का काम संभाला । बाद में, 'सर्विकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर-सावधानियों की आवश्यकता' पर डॉ.कलावती, सहायक प्रोफसर, आर सी सी, तिरुवनंतपुरम, गर्भनिरोधन और डिस्फंग्शनल ब्लीडिंग' पर डॉ.जी.राजमोहन, वैज्ञानिक, ई-2, एचएलएल-कॉर्पोरेट आर & डी केंद्र, 'स्वस्थ भोजन की आदतें, आहार, रोग होने की संभावनायें और सावधानियाँ' विषय के बारे में डॉ.अनिता मोहन, पोषण विशेषज्ञ और राज्य प्रोग्राम अधिकारी, स्वास्थ्य निदेशालय, 'स्वच्छ माहवार चुनौतियाँ और सावधानियाँ' पर डॉ.हेमा, गाइनकोलजिस्ट , सरकारी मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम और डॉ.सुस्मिता प्रियदर्शिनी ओट्टा, आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम ने क्लास लिया ।

तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की सहयोग से आयोजित इस सेमिनार में तिरुवनंतपुरम के विविध क्षेत्रों के 300 से अधिक महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लेकर इससे लाभ उठाया ।

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड द्वारा 23 मई को आयोजित 'महिला की दुनिया' सेमिनार का उद्घाटन करती हैं - श्रीमती श्रीलेखा आईपीएस।

एचएलएल के ग्रीन कंडोम को बिल एण्ड मिलिंदा गेट्स फाउंडेशन की वित्तीय सहायता।

हमारा दर्शन है - सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ नवाचार मिलाना। आज स्वास्थ्यरक्षा अधिक खर्चीला है, जो आम जनता की पहूँच के बाहर है। इस संदर्भ में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद किफायती दर पर साधारण लोगों तक पहूँचाना ही हमारा लक्ष्य है।

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, विश्व के सबसे प्रमुख गर्भनिरोधक विनिर्माता ने अपने अत्याधुनिक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (सीआरडीसी) में अपनी स्वप्न पद्धति 'अगली पीढी कंडोम के विनिर्माण का कार्य' शुरू किया है और इस नये विचार केलिए बिल एण्ड मेलिंदा गेट्स फाउंडेशन के ग्रांड चलेंज एक्सप्लोरेशन (जीसीई) सहित दूरदराज के क्षेत्रों के विविध पुरस्कार केलिए एचएलएल हकदार बन गया।

डॉ. रघुपति और उसके टीम सदस्य डॉ.ए.कुमरन और डॉ.जी. राजमोहन को इस परियोजना केलिए $ 100000 मिला है। बिल & मिलिंदा गेट्स फाउंडेशन ने 800 आवेदनों में से डॉ.रघुपति की परियोजना को चुन लिया है। भारत से पुरस्कार केलिए चुन ली गयी एकमात्र परियोजना यह है। इस पद्धति का लक्ष्य है - पोलियस्टर से अगली पीढी कंडोम को विकसित करना। यह श्रम सफल हो जाने पर पतले और पर्यावरण के अनुकूल कंडोम को किफायती दाम पर उपलब्ध कराने में हम कामयाब हो जायेंगे। संसार के स्थायी स्वास्थ्य विकास ललकारों को सामना करने के लिए नूतन आशयों का समर्थन करने की ओर वैश्विक स्तर पर अनुसंधानकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने की पद्धति है यह जीसीई। कृषि विकास, जानवर - मनुष्य का आरोग्य, व्यवहार परिवर्तन आदि वैश्विक स्वास्थ्य विकास विषयों से संबंधित अपनी आशय के प्रस्तुतीकरण के लिए डॉ. रघुपति और उसके

टीम सदस्यों को यह पुरस्कार मिला। सी आर डी सी ने पुनरुत्पादक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नये तकनोलजी, प्रक्रियाओं एवं उत्पादों के पता लगाने और स्वीकार विकसित करने की योजना तैयार की है। एचएलएल के वैज्ञानिक कंडोमों में ग्राफीन को शामिल करके लोगों की जिन्दगी में इस अद्‌भुत पदार्थ को लाना चाहते हैं। यह, कंडोम का घनत्व 0.08.67 एमएम से 0.04 एमएम तक कम करने और गर्मी चालकता बढाने में सहायक है। ब्रिटन के हेरियोड-वाट विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट प्राप्त पोलिमर के वैज्ञानिक डॉ. रघुपति ने एचएलएल में आने के पहले जर्मनी के माक्स प्लांक इंस्टिट्यूट फोर पोलिमर रिसेर्च के उलुमिल विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टरल फेल्लो के रूप में तथा ब्रिटन के मांचस्टर विश्वविद्यालय में भी काम किया है। उनको जीसीई से 2011 में भी वित्तीय सहायता मिली थी। पहले आवरित कोप्पर टी को विकसित करने के क्षेत्र में सीआरडीसी के उप उपाध्यक्ष डॉ.एबी संतोष अप्रेम 8.6 लाख डोलर की वित्तीय सहायता के लिए हकदार बन गया।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ने कहा कि यह पुरस्कार एचएलएल और डॉ. रघुपति के लिए बडा अंगीकार ही है। आगे उन्होंने जोडा, हमारा दर्शन है - सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ नवाचार मिलाना। आज स्वास्थ्यरक्षा अधिक खर्चीला

है, जो आम जनता की पहूँच के बाहर है। इस संदर्भ में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद किफायती दर पर साधारण लोगों तक पहूँचाना ही हमारा लक्ष्य है। यहाँ हमारे सीआरडीसी की विशेष भूमिका है, जिसने पहले ही नवाचार के क्षेत्र में अपनी कामयाबी साबित की है।

MOODS OF FIFA

मातृभूमि विश्वकप
विशेषांक का प्रकाशन

एचएलएल के मूड्स कंडोम के सहयोग से मातृभूमि द्वारा प्रकाशित मातृभूमि स्पोर्ट्स पत्रिका के विश्वकप फुडबॉल विशेषांक 'मूड्स ऑफ फीफा' का विमोचन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ने 3 जून 2014 को किया। मलयालम के सिनेमा आर्टिस्ट श्री मणियनपिल्लै राजु को इसकी पहली प्रति दी गयी। भारत के फुडबॉल आइकन आई.एम.विजयन ने मुख्यातिथि थे। एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन) डॉ.बाबु तोमस, मातृभूमि उप संपादक श्री वेच्चुचिरा मधु आदि ने भाषण दिया।

एचएलएल के मौखिक गर्भनिरोधक गोली सहेली के प्रमुख कारक ओर्मिलोक्सिफिन बाज़ार में आकर दो दशक हो गया। इसके बारे में एचएलएल के सीआरडीसी में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ने किया। साथ हैं - डॉ.एम.डी.नायर (फार्मसी उद्योग परामर्शदाता), डॉ.के.आर.एस.कृष्णन, निदेशक(तकनीकी एवं प्रचालन) और डॉ.वी.के.पोडार,पूर्व उपाध्यक्ष, बंगाल गैनिक सोसाइटी।

एक नज़र

अप्रैल 30 को आयोजित चियर्स क्लब दिन के अवसर पर क्लब के फेइसबुक का लॉग-इन करते हैं एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ।

एचएलएल-पेरूरकड़ा फैक्टरी के कर्मचारियों के लिए 18 मई 2014 को आयोजित कुडुम्बसंगमम

30 अप्रैल 2014 को आर्थ्राइटिस के बारे में तिरुवनंतपुरम एस पी फोर्ट अस्पताल के डॉ.हरिकुमार क्लास चलाते हैं ।

डॉ.एम.अय्यप्पन, एचएलएल-सी & एम डी 7 अप्रैल को वार्षिक विपणन सम्मेलन का उद्घाटन करते हैं ।

थिंक टैंक सीरीज़ के अधीन 2 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में 'विपणनकर्ताओं के आज के मुख्य ललकारें' विषय पर भाषण देते हैं डॉ.बाबु तोमस, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन)।